*गणेश दत्त महाविद्यालय, बेगूसराय

PROGRAM OUTCOME

(स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम)

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को हिंदी भाषा का ज्ञान मिलता है जिससे वे सूचना को स्पष्टता से समझ सकते हैं और अपने विचारों को सार्थक रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रमुख पहलुओं का अध्ययन करने का अवसर मिलता है। इससे उन्हें साहित्यिक अनुभव के साथ अधिक संवेदनशील बनने में मदद मिलती है।

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को उच्च स्तरीय भाषा की गुणवत्ता प्राप्त करने का अवसर मिलता है। इससे उन्हें विभिन्न स्तरों पर हिंदी भाषा की चुनौती को समझने और लिखने का कौशल मिलता है।

इससे उन्हें विशेष विषयों पर शोध आधारित लेखन करने की योग्यता प्राप्त होती है।

यह पाठ्यक्रम छात्रों को समाचार पत्रिका और मीडिया के लिए लेखन करने के लिए तैयार करता है। इससे उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में अधिक जागरूक और नवीनतम विचारों को प्रस्तुत करने की योग्यता विकसित होती है।

यह पाठ्यक्रम छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में एक समृद्ध और साक्षात्कारपूर्ण अनुभव प्रदान करता है जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में सफलता की दिशा में मदद करता है।

COURSE OUTCOME

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा - प्रथम वर्ष

पत्र - 1

(हिंदी साहित्य का इतिहास)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी हिंदी साहित्य बी एचके विभिन्न चरणों टी, उनके उद्भव और विकास से परिचित होंगे।

इस पाठ्यक्रम के द्वारा छात्र हिंदी साहित्य के विभिन्न काल की प्रवृत्तियों और उपलब्धियों को समझ पाएंगे।

हिंदी प्रतिष्ठा (प्रथम वर्ष)

पत्र - 2

(प्राचिन मध्यकालीन काव्य)

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी मैथिली साहित्य के महान कवि विद्यापति से परिचित होंगे एवं उनकी पदावली को समझ पाएंगे।

• इसके अंतर्गत विद्यार्थी भक्ति आंदोलन की पूर्व पीठिका, भक्ति आंदोलन के प्रेरक तत्व, भक्ति काव्य का विकास, उसके दार्शनिक आधार और विविध धाराओं से परिचित हो सकेंगे।

• कबीर की दार्शनिकता, सामाजिकता और उनकी कविताओं की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।

• तुलसीदास का कवि परिचय, रामचरितमानस की महत्ता और रामचरितमानस की हृदय स्थली के रूप में बाल कांड के काव्य सौंदर्य से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।

• रीतिसिद्ध कवि के रूप में बिहारी का काव्य परिचय, वात्सल्य सम्राट सूरदास का कवि परिचय रहीम,रसखान का कवि परिचय के साथ साथ उनका श्रृंगार वर्णन एवं उनकी काव्य कला से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।

• विद्यार्थियों में पाठ आधारित अध्ययन के द्वारा कविता की व्याख्या उसका विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित होगी।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष

पत्र - 3

<u>आधुनिक हिंदी काव्य</u>

• यह पाठ्यक्रम छायावाद के चार स्तंभ प्रसाद, निराला, पंत एवं महादेवी वर्मा से संबन्धित हैं।

• इससे छायावाद की विशेषताओं को समझ सकेंगे।

• पठित कविताओं के माध्यम से इन रचनाकारों की कविताओं का कला पक्ष एवं भाव पक्ष को समझ सकेंगे।

खण्ड ख

• पठित खंड काव्य अंधा युग के माध्यम से धर्मवीर भारती, की कविताओं के कला पक्ष एवं भाव पक्ष को समझ सकेंगे।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष

पत्र 4

<u>छायावादोत्तर हिंदी काव्य</u>

• हिंदी साहित्य के विभिन्न काल खण्डों की समय-सीमा और उन काल खण्डों विशेष रूप से छायावदोत्तर काल से जुड़े प्रमुख रचनाकारों और उनकी प्रमुख रचनाओं के विस्तृत अध्ययन में यह पाठ सहायक है।

• हिंदी साहित्य के विकास क्रम को समझने में यह सहायक है।

• हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों की प्रवृतियां और उसके प्रमुख रचनाकारों के अवदान को यह पाठ्यक्रम विस्तार से निरूपित करता है।

• आधुनिक काल की पृष्ठभूमि के क्रम में युगों के विभाजन के कारक तत्व, विभिन्न कालो के स्वरूप एवं उसकी प्रमुख प्रवृतियां को समझने में यह पाठ सहायक है।

समकालीन काव्य एवं नए सप्तक के उल्लिखित कविता की काव्यगत विशिष्टता और भाव पक्ष को समझने में पाठ सहायक है।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष

पत्र - 5

(हिंदी कथा एवं नाट्य साहित्य)

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी हिंदी उपन्यास, कहानी और नाटक के स्वरूप और विकास को समझ सकेंगे।

साथ ही पाठ्यक्रम के अंतर्गत पठित उपन्यास,नाटक एवं कहानियों की संवेदना और शिल्प को समझेंगे।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष

पत्र - 6

(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

यह पाठ्यक्रम प्रयोजनमूलक हिन्दी, अनुवाद और पत्रकारिता से संबन्धित है।

इससे प्रयोजनमूलक हिन्दी, कार्यालयी हिन्दी और व्यावसायिक हिन्दी को विस्तृत रूप से समझ सकेंगे।

पारिभाषिक शब्दावली से अवगत हो सकेंगे।

हिन्दी भाषा की व्यापकता और उसकी विविध शैलियों को समझ सकेंगे।

• अनुवाद और उसके विविध प्रकार एवं उसके प्रयोग से अवगत हो सकेंगे। पत्रकारिता की परिभाषा, भेद, प्रयोग एवं उसके तकनीकी शब्द को जान सकेंगे।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष

पत्र - 7

(संचार माध्यम**)**

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी अनेक प्रकार के माध्यमोंपयोगी लेखन के स्वरूप से परिचित होंगे और साथ ही जनसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियों और उसके दशा-दिशा को समझ सकेंगे।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष

पत्र- 8

भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत

• काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार एवं शब्द शक्ति को समझ सकेंगे।

• रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति सिद्धांतों के सामान्य परिचय से अवगत हो सकेंगे।

• अलंकार और छंद को समझ सकेंगे।

• पठित अलंकार और छंद के भेद से परिचित हो सकेंगे।

• पाश्चात्य आलोचक-- प्लेटो, अरस्तू, मैथ्यू अर्नाल्ड, आई.ए. रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धांतों से अवगत हो सकेंगे।

• पठित भारतीय समीक्षक--आचार्य रामचंद्र शुक्ल आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी नंददुलारे वाजपेयी, लक्ष्मीनारायण सुधांशु, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, नलिन विलोचन शर्मा को समझ सकेंगे।

• मैथिलीशरण गुप्त के जीवन और उनके साहित्यिक अवदान से विद्यार्थी परिचित होंगे। साथ ही यशोधरा काव्य और अंतर्वस्तु से परिचित होंगे।

• विभिन्न निबंधों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना का विस्तार होगा।